JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

युवाओं की वेब सीरीज के प्रति अभिवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Rohit Kumar (Senior Research Fellow)
Dayanand Women's Training College, Kanpur, Uttar Pradesh, India

सारांश- मीडिया के सशक्त अंग डिजिटल मीडिया का प्रभाव वर्तमान समय में सबसे सशक्त माध्यम हैं। डिजिटलाइजेशन के इस युग में अखबार के स्थान पर e-paper, पुस्तकों के स्थान पर e-book, स्कूलों के स्थान पर e-pathshala, टेलीविजन के स्थान पर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर OTT ने ले लिया हैं। अथार्त Over-the-Top के कई Aapplications इंटरनेट प्रोटोकॉल (IPTV) के माध्यम से डिजिटल टेलीविजन सामग्री ऑन लाइन टीवी सेवा प्रदाताओ के द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जिसमें OTT के एप्लीकेशन आसानी से Goole Play store द्वारा Download करके subscriptions मुफ्त या सशुल्क लिया जा सकता हैं। इन OTT एप्लीकेशन पर उपभोक्ता प्रदाता कम्पनी द्वारा TV. कार्यक्रमों के अतिरिक्त फिल्में, स्पोर्ट्स, वेब सीरीज आदि को ऑनलाइन या Download करके कभी भी कही भी 24*7 देख सकते हैं। वेब सीरीज भी एक 8-12 एपिसोड की एक श्रृंखला होती हैं। जो कई season या Parts में भी हो सकती हैं। मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम बनता जा रहा हैं। यह सीरीज अलग - अलग कहानी पर आधारित होती हैं। वेब सीरीज के यह एपिसोड कई बार एक साथ लॉन्च कर दिये जाते है, तो वही कई बार हर हफ्ते एक एपिसोड लॉन्च किया जाता हैं। वेब सीरीज के कंटेट (content) जैसे- गीत, संवाद, तौर-तरीके, एक्शन आदि लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इस कारण जब वेब सीरीज का चलन तेजी से बढ़ा है एवं लोगों को कार्यक्रमों का चयन करने एवं देखने की पूर्ण निजता प्राप्त हो रही हैं। ऐसे में इसका समाज और लोगों पर सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिसका अध्ययन इस शोध में किया गया हैं ।

संकेत शब्द :- OTT (Over-the-Top), वेब सीरीज, अभिवृत्ति, कंटेट, सामाजिक प्रभाव।

प्रस्तावना

एक स्वस्थ समाज के निर्माण में संचार की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। हमारे समाज में अखबार, रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा जैसे विभिन्न संचार के माध्यम हैं। मौजूदा माध्यमों में टेलीविजन, अखबार संचार का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता हैं। भारत में मीडिया (अखबार, रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा) को लोकतंत्र का चतुर्थ स्तम्भ माना जाता हैं। वहीं टेलीविजन व सिनेमा हमेशा से मनोरंजन का भी एक प्रमुख साधन रहे हैं। आमतौर पर यह देखा जाता है कि युवा पीढ़ी, विशेषकर बच्चे और किशोर फिल्मों या सीरियल्स से संवाद, गीत, एक्शन, रहन सहन के तरीके आदि सीखते हैं, और बाद में यह लंबे समय तक उनके दिमाग में रहता है या फिर कभी-कभी यह भी देखने को मिलता है कि बच्चे फिल्मों में दिखाए गए एक्शन और संवाद को कॉपी भी करते हैं।

वेब सीरीज को बेब श्रृंखला या वेब शो के नाम से भी जाना जाता हैं। वेब सीरीज आन लाइन वीडियो की एक श्रृंखला हैं जो सामान्यतः एपिसोड के रूप में जारी की जाती हैं। जिसकी शुरुआत 1990 के दशक के मध्य में शुरू हुयीं। वही भारत में सही मायने में वेब सीरीज़ की शुरुआत वर्ष 2016 से हुई मानी जा सकती है जब Youtube पर TVF (दी वायरल फीवर) ने अपनी पहली वेब सीरीज "परमानेंट रूममेट " ऑन लाइन की थी। जिसकी प्रसिद्धि के बाद YouTube पर लगातार वेब सीरीज रिलीज होने का सिलसिला बढता गया। 2016 में अमेरिकी OTT फ्लेटफार्म नेटफ्लिक्स एवं अमेजन प्राइम ने भारत में भारतीय भाषाओं, कलाकारों एवं कथानक में वेब सीरीज बनाना शुरू किया। वैसे भारत में इसकी शुरूआत 2008 में रिलायंस एंटरटेनमेंट ने की थी। जिसने सबसे पहले OTT प्लेटफॉर्म बिगफ्लिक्स (Bigflix) लाँच किया था। इसके बाद NEXG TV नाम से OTT मोबाइल एप लांच किया गया जिसमें बीडियो ऑन डिमांड के साथ T.V. भी देखा जा सकता था। वर्तमान समय में भारत में Amazon, Netflix, Sony Liv, Diseney Hotstar, Eros Now Zee 5, Voot आदि कई OTT प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं।

इंटरनेट से दुनिया भर के टेलीविजन उद्योग में भी आमूलचूल परिवर्तन आया हैं। वेब सीरीज और OTT की सामग्री का हमारे समाज पर विशेष रूप से युवाओं के बीच महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा हैं। पिछले कुछ वर्षों में, ऑनलाइन मनोरंजन उद्योग ने भारत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की हैं। यह भारतीय दर्शकों की बदलती जीवनशैली, उपभोग की गई सामग्री के प्रकार में बदलाव और विभिन्न ऑनलाइन OTT प्लेटफॉर्म, जिस पर उन्हें सामग्री दी जाती है, के कारण संभव हैं। मोबाइल कनेक्शन के रूप में तेज और सस्ती इंटरनेट सेवाओं की शुरुआत और ब्रॉडबैंड सेवाओं की व्यापक उपलब्धता के साथ, ऑनलाइन सामग्री तक पहुंच में बड़ी वृद्धि हुई है, सामग्री के लिए ऑनलाइन आने वाले लोगों की संख्या और उनके समय के संदर्भ में भी यह वृद्धि उल्लेखनीय हैं।

वर्तमान समय में इंटरनेट युवाओं के लिए ट्रेंडस एवं आवश्यकता बन गया हैं। युवा कब आनलाइन आवश्यकताओं से सोशल मीडिया एवं वेब सीरीज की तरफ आकर्षित एवं आदी हो गये पता ही नही चल रहा हैं । भारतवर्ष में मनोरंजन का सबसे अच्छा साधन टेलीविजन ही रहा हैं। जिसमें समय की बाध्यता हैं। लेकिन OTT प्लेटफार्म पर वेब सीरीज देखने के समय की कोई भी बाध्यता नहीं होती हैं। इसे कही भी, किसी भी समय देख सकते हैं। वेब सीरीज सभी प्रकार के मनोरंजन प्रदान करती हैं, इसके लिए कुछ OTT प्लेटफार्मो का मासिक, तिमाही या वार्षिकी रूप से subscription लेना पड़ता हैं। OTT प्लेटफॉर्म के 1 Subscription (सिंगल अकाउंट) पर कई यूजर प्रोफाईल बनाई जा सकती है । अर्थार्त 1 subscription अर्थात Main प्रोफाईल पर कुछ(2 से 6) निश्चित प्रोफाइल धारक भी OTT प्लेटफॉर्म को देख सकते हैं। अर्थात 1 रिचार्ज प्लान्स पर अलग-2 मोबाइलो या डिवाइसों पर कई व्यक्ति (2-6) तक इसका लाभ उठा सकते हैं। अर्थात एक साथ कई डिवाइसों पर इसको देख सकते हैं।

शोध अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

इंटरनेट ने पूरी दुनिया को ग्लोबल विलेज की तरह बनाने में एक बड़ी भूमिका निभायी है लेकिन अब यही इंटरनेट पूरी दुनिया के बच्चों, किशोरों और युवाओं को तेजी से साइबर एडिक्ट भी बना रहा हैं। दुनिया भर में नशीले पदार्थों का कारोबार जिस तेजी से फैल रहा है, उससे अधिक रफ्तार से लोग इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं OTT प्लेटफार्म की लत से घिरते जा रहे हैं।

बीते कुछ सालों पर गौर करें तो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज देखने का शौक बढ़ा हैं। इसकी एक वजह ये है कि कहानियों के साथ नये प्रयोग हो रहे है और नए कंटेट ने दर्शकों के बीच विकल्प दिया हैं। टीवी से अलग यहां सास-बहू का घिसा-पिटा ड्रामा नहीं है और ना ही लंबे-लंबे ब्रेक। फिल्मों में जब भी बोल्ड या एडल्ट कंटेट होता है तो प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को सेंसर बोर्ड से उलझना पड़ता हैं। जबकि डिजिटल प्लेटफॉर्म या वेब सीरीज पर सेंसर जैसा कुछ नहीं हैं। हाल ही में अनुराग कश्यप की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स बहुत चर्चा में रही। अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वो जब भी कोई फिल्म बनाते हैं उसके बाद एक महीने तक वो सेंसर बोर्ड के चक्कर लगाते रहते हैं जबकि वेब सीरीज रिलीज होने के बाद वो फ्री हैं और रिलैक्स महसूस कर रहे हैं।

शोध अध्ययन का शीर्षक-

"युवाओं की वेब सीरीज के प्रति अभिवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन"

पदों का संक्रियात्मक परिभाषीकरण

OTT (Over-the-Top)

OTT एक ऐसा प्लेटफॉर्म जो कुछ और प्लेटफॉर्म्स की मदद से आपके फोन पर ही आपको तमाम तरह की फिल्में, वेब सीरीज और शोज़ प्रदान करता हैं। ओटीटी प्लेटफार्म पर आपको रोमांटिक, थ्रिलर, एक्शन से लेकर तमाम तरह का कंटेंट मिल जाते हैं। कुछ ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे होते हैं जिनपर कंटेंट देखने के लिए आपको भुगतान करना पड़ता है, तो कुछ ऐसे भी हैं जहां आपको फ्री में कंटेंट मिलता हैं। OTT प्लेटफार्म पर मूवी, सीरीज या शो देखने के लिए आपको बस एक चीज की खास जरुरत है वो है आपके फोन में इंटरनेट।

वेब सीरीज

फिल्मों और टीवी सीरियल से इतर वेब सीरीज में 8-10 एपिसोड होते हैं। यह सीरीज अलग-अलग कहानी पर आधारित होती हैं। एक एपिसोड 25 से 45 मिनट तक के होते हैं। ये वेब सीरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कई बार एक साथ लॉन्च कर दिए जाते हैं, तो वहीं कई बार हर हफ्ते एक एपिसोड लॉन्च होता हैं।

शोध अध्ययन के उद्देश्य-

1. भारतीय युवाओं की वेब सीरीज के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

2. वेब सीरीज के कारण युवाओं में व्यवहार परिवर्तन का पता लगाना।

3. युवाओं में वेब सीरीज के कारण शैक्षिक अभिवृत्ति के बारे में पता लगाना।

परिसीमांकन-

- शोध अध्ययन का क्षेत्र कानपुर नगर तक ही सीमित रखा गया हैं।
- शोध अध्ययन का विषय क्षेत्र वेब सीरीज तक ही हैं न कि OTT प्लेटफॉर्म, फिल्मों एवं टेलीविजन के कार्यक्रमों तक।

शोध अभिकल्प

शोध विधि एवं सांख्यिकीय प्रविधियां-

प्रस्तुत शोध पत्र में आंकड़ों के संकलन के लिए सर्वेक्षण शोध विधि एवं विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय प्रविधि प्रतिशत का प्रयोग किया गया हैं।

जनसंख्या एवं न्यादर्श-

जनसंख्या के रूप में कानपुर नगर के कक्षा-10 उत्तीर्ण एवं 15 वर्ष से ऊपर के युवाओं का चयन जनसंख्या के रूप मे किया गया हैं।

न्यादर्श के रूप में कानपुर नगर के कक्षा 10 उत्तीर्ण युवाओं का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्शन विधि से किया गया हैं।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध पत्र के उद्देश्यों एवं समस्या के स्वरूप के अनुसार शोधार्थी ने आंकड़ों के संकलन के लिए **युवाओं की वेब सीरीज के प्रति अभिवृत्ति मापनी** स्वयंनिर्मित शोध उपकरण का प्रयोग किया गया है जिसमे 24 प्रश्नों की श्रखंला हैं। जिसमें प्रश्नों का स्वरुप Open ended तथा Close ended हैं। इस स्वनिर्मित शोध उपकरण को गूगल फार्म एवं Hard copy के द्वारा आंकड़ो का संकलन किया हैं।

अनुसंधान क्रिया विधि-

इस शोध पत्र में शोधार्थी ने मात्रात्मक विधि का प्रयोग किया हैं। मात्रात्मक आंकड़ो के संकलन लिए शोधार्थी ने स्वयंनिर्मित उपकरण युवाओं की वेब सीरीज के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया हैं।

आँकड़ो का विश्लेषण एवं व्याख्या

इस शोध पत्र में शोधार्थी ने मात्रात्मक विधि का प्रयोग किया हैं। प्राप्त मात्रात्मक आकड़े युवाओं की प्रतिक्रियाओं पर आधारित हैं। जिसमें 46% महिलायें एवं 54% पुरुष शामिल हैं। इसमें शामिल युवाओं की योग्यता हाईस्कूल से लेकर Ph.D. तक की हैं। प्रतिभागियों का व्यवसाय या पेशा छात्र, शोधार्थी, शिक्षक, प्राइवेट जॉब, गृहिणी, व्यवसाय एवं अन्य सरकारी नौकरी में कार्यरत हैं।

कथन-1 40.2% युवाओं को वेब सीरीज देखना पसंद हैं एवं 21.6% युवाओं को वेब सीरीज देखना पसंद नहीं हैं जबकि 38.2% युवाओं ने कभी-कभी वेब सीरीज देखी हैं।

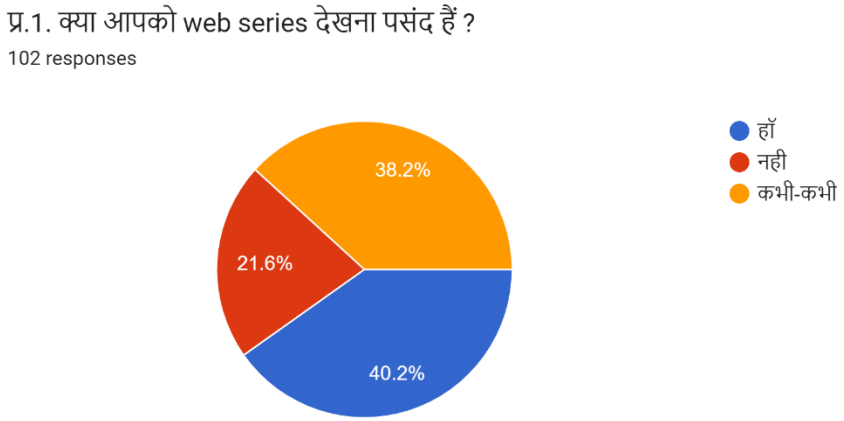

कथन-2 102 उत्तरदाताओं में 28.4% उत्तरदाताओं को YouTube, 25.5% उत्तरदाताओं को Netflix, 24.5% उत्तरदाताओं को Disney Hotstar,14.7% उत्तरदाताओं Amazon Prime एवं अन्य 6.9% उत्तरदाताओं को Other OTT प्लेटफॉर्म पसंद हैं।

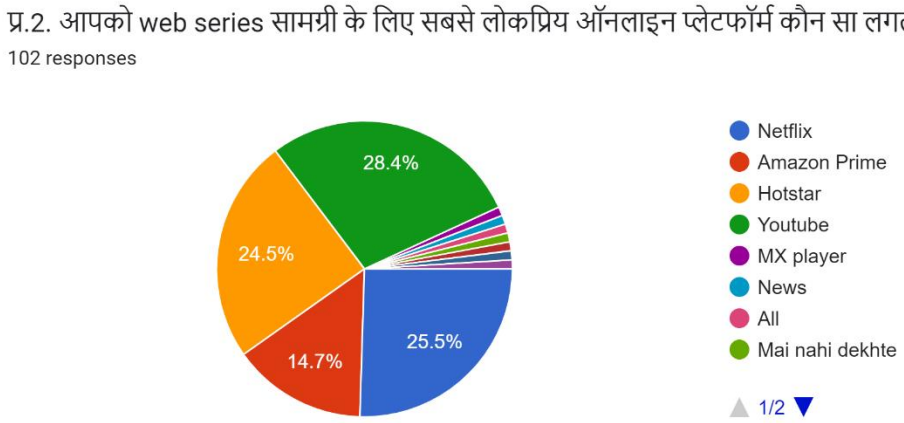

कथन-3 प्रतिभाग करने वाले 102 उत्तर दाताओं में 73.5% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज देखने में 1 घण्टा तथा 18.6% प्रतिभागियों को 2 घण्टा जबकि 7.8% प्रतिभागियों को देखने में 3 घण्टे का समय प्रतिदिन लगता हैं।

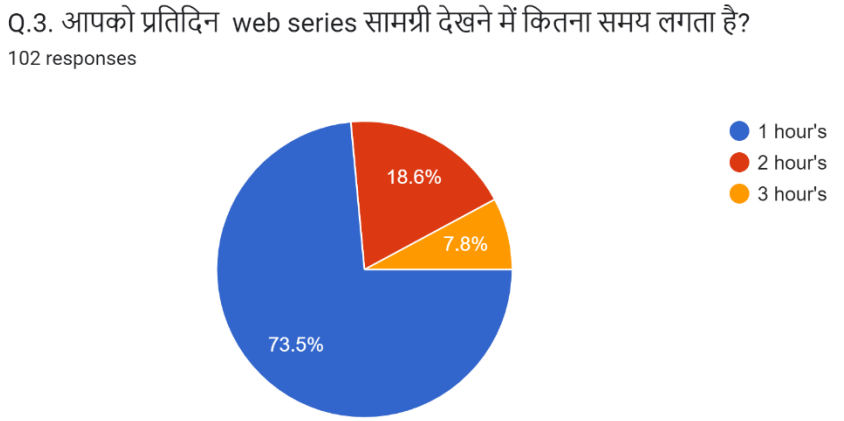

कथन-4 68.6% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज देखने का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता हैं। जबकि 14.7% व्यक्ति मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नहीं मानते हैं एवं 16.7% प्रतिभागियों अनिश्चित हैं।

Q.4. क्या आप सहमत हैं कि web series का आप पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है?
102 responses

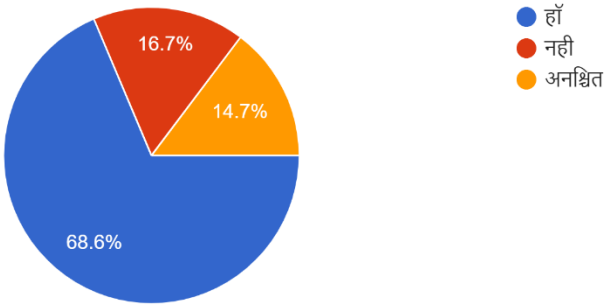

कथन-5 उत्तरदातों में अधिकांश 61.8% का मानना है कि वेब सीरीज ने गुस्सा एवं आक्रामकता उत्पन्न नहीं है और 22.5% का मानना हैं कि गुस्सा एवं आक्रामकता वेब सीरीज के कारण हैं जबकि 15.7% व्यक्ति अनिश्चित की स्थिति में हैं।

Q.5. क्या आपको लगता है कि web series ने आप में गुस्सा और आक्रामकता उत्पन्न की है?
102 responses

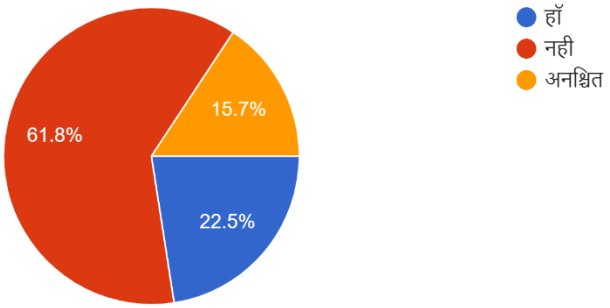

कथन-6 52% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज देखने से परीक्षा या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्रभावित करते है जबकि 41.2% प्रतिभागियों वेब सीरीज के प्रभाव को नहीं मानते है एवं 6.8% प्रतिभागियों अनिश्चित की स्थिति में हैं।

Q.6. क्या web series देखने से परीक्षा या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में आपके प्रदर्शन पर असर पड़ा है?
102 responses

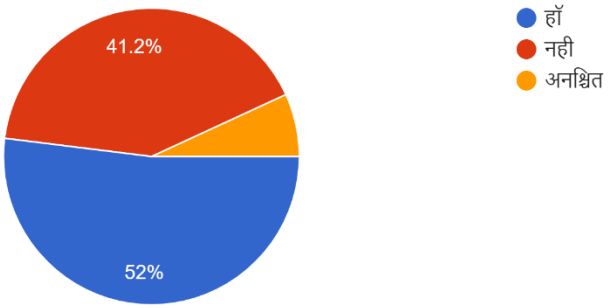

कथन-7 80.4% प्रतिभागियों को वेब सीरीज देखने के लिए कलाकार, कहानी एवं विषय वस्तु ने प्रभावित किया है तो 7.8% प्रतिभागियों को संवाद ने जबकि 5.9% प्रतिभागियों को Abusing Language ने तथा 5.9% प्रतिभागियों को अश्लील दृश्यों ने प्रभावित किया हैं।

Q.7. web series देखने के लिए आपको सबसे ज्यादा क्या प्रभावित करता है?
102 responses

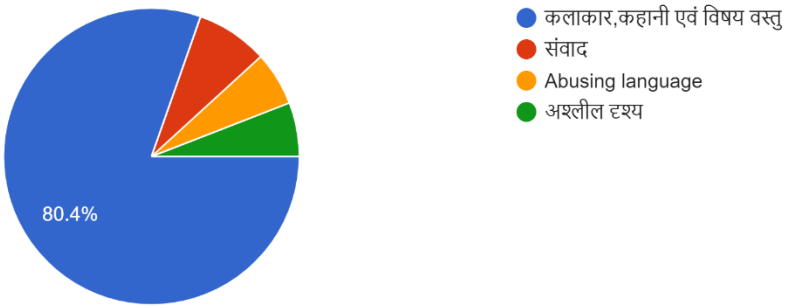

कथन-8 77.5% उत्तरदाओं को वेब सीरीज ने मनोरंजन के लिए समय की बाध्यताओं से मुक्ति दिलाई है तो शेष 22.5% प्रतिभागियों का निर्णय नकारात्मक हैं।

Q.8. क्या web series ने मनोरंजन के लिए समय की बाध्यताओं से आजादी दिलाई हैं ?
102 responses

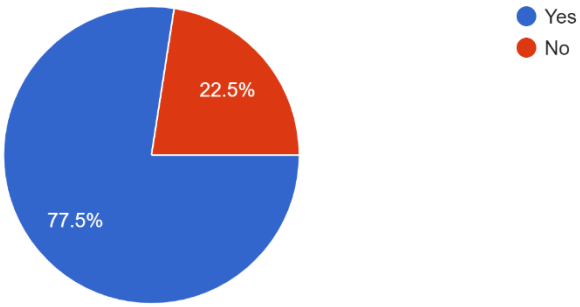

कथन-9 52.9% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज समाज में आपराधिक गतिविधियों को बढ़ाते है जबकि 22.5% प्रतिभागियों को ऐसा नहीं लगता है एवं 24.5% प्रतिभागियों अनिश्चित हैं।

प्र.9. क्या आपको लगता है कि web series शो समाज में, आपराधिक गतिविधियों को बढ़ाते हैं?
102 responses

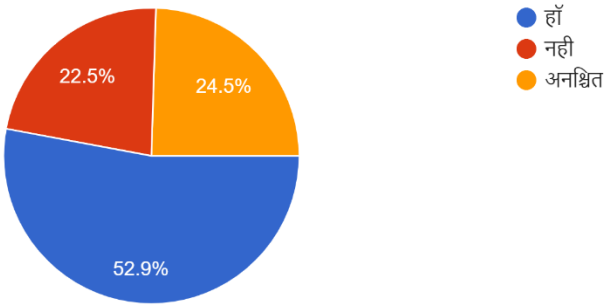

कथन-10 62.7% प्रतिभागियों का मानना है कि वेब सीरीज के कारण युवाओं की सामान्य बोल-चाल में Abusing Language का प्रभाव बढ़ रहा है, 15.7% लोगों को वेब सीरीज ने अन्य भाषाएँ सीखने के लिए प्रेरित किया है जबकि 4.9% लोग मानते है कि वेब सीरीज ने भाषा की समृद्धि एवं प्रसार में योगदान दिया है तथा 16.7% प्रतिभागी अनिश्चित हैं।

Q.10. क्या आपको लगता है कि web series युवाओं की भाषा को परिवर्तित कर रहा है?
102 responses

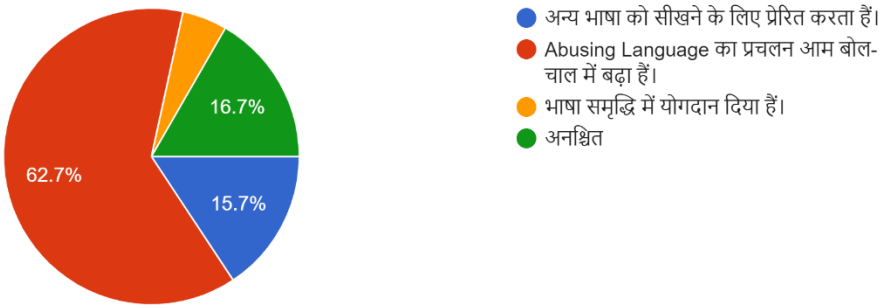

कथन-11 61.8% लोगों ने माना है कि वेब सीरीज देखने के कारण धूम्रपान, एवं मादक पेय (एल्कोहल) के सेवन की प्रवृत्ति बढ़ी है जबकि 22.5% प्रतिभागियों सहमत नहीं है एवं 15.7% प्रतिभागी अनिश्चितता की स्थिति में हैं।

Q.11.क्या web series देखने के कारण Drugs धूम्रपान एवं मादक पेय(एल्कोहल) की प्रवृत्ति बढ़ रहा हैं?
102 responses

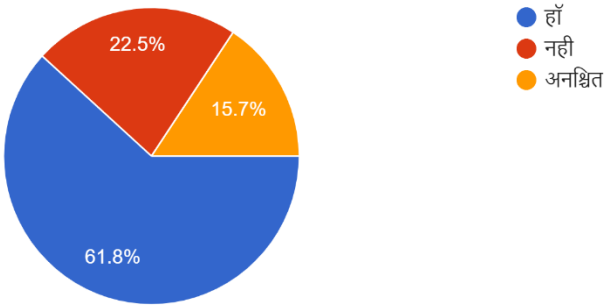

कथन-12 51% प्रतिभागियों वेब सीरीज देखने के बाद fresh महसूस करते हैं, 19.6 % प्रतिभागियों अनिश्चित तथा शेष 29.4% प्रतिभागियों के नकारात्मक में उत्तर दिया हैं।

Q.12. सम्पूर्ण दिनचर्या के बाद web series देखने से Mood अच्छा एवं तरो-ताजा हो जाता हैं ?
102 responses

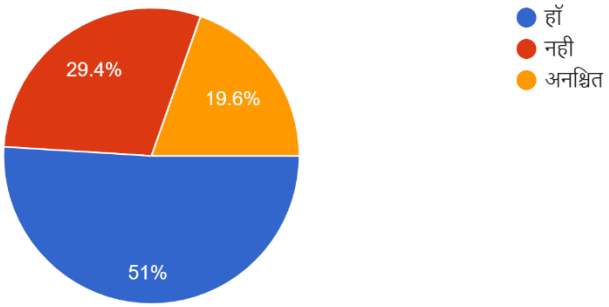

कथन-13 वेब सीरीज देखने के कारण युवाओं का व्यवहार विघटित हो रहा है कथन में 46.1% प्रतिभागी सहमत है, 40.24 % प्रतिभागी शायद हो सकता हैं कि स्थिति में हैं, 3.9% प्रतिभागी असहमत है जबकि 9.8% प्रतिभागी नहीं की स्थिति में हैं।

प्र.13. क्या web series देखने के कारण युवाओं का व्यवहार विघटित हो रहा है?
102 responses

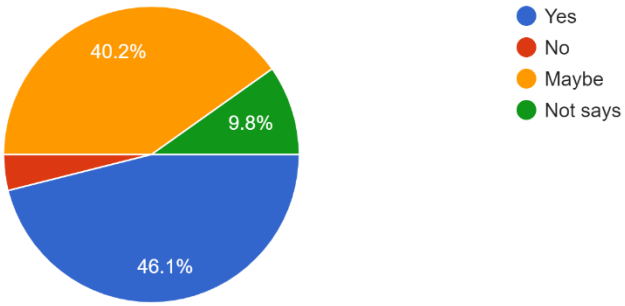

कथन-14 वेब सीरीज हमें प्रेरित करते है कथन में 53.9% प्रतिभागी असहमत हैं जबकि 20.6% प्रतिभागी इस कथन से सहमत जबकि 25.5% प्रतिभागी अनिश्चित की स्थिति में हैं।

प्र. 14. क्या Web series हमें हमारे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते है?
102 responses

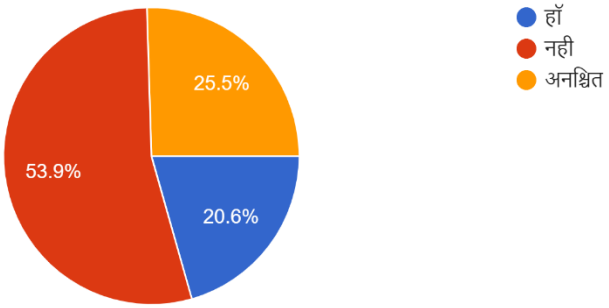

कथन-15 वेब सीरीज की पहुँच छोटे बच्चों तक भी है से 80.4% प्रतिभागी सहमत है, 10.8% प्रतिभागी असहमत है जबकि 8.8% प्रतिभागी अनिश्चित की स्थिति में हैं।

प्र. 15. क्या web series की पहुँच छोटे बच्चों तक भी हैं?
102 responses

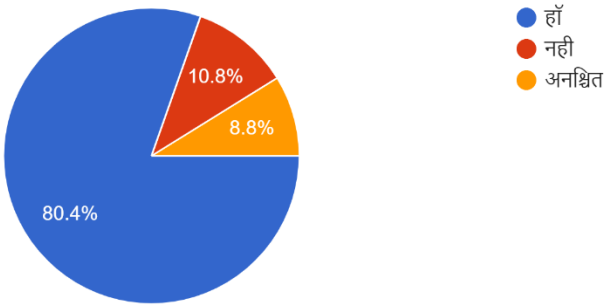

कथन-16 कथन वेब सीरीज की पहुँच छोटे बच्चों तक होने के कारण अनुशासनहीनता की भावना बढ़ी हैं। इस कथन से 81.4% प्रतिभागी सहमत है कि वेब सीरीज के कारण अनुशासनहीनता बढ़ी हैं जबकि 9.8% प्रतिभागी अनुशासनहीनता बढ़ने का कारण वेब सीरीज को नहीं मानते है जबकि 8.8% प्रतिभागी अनिश्चित हैं।

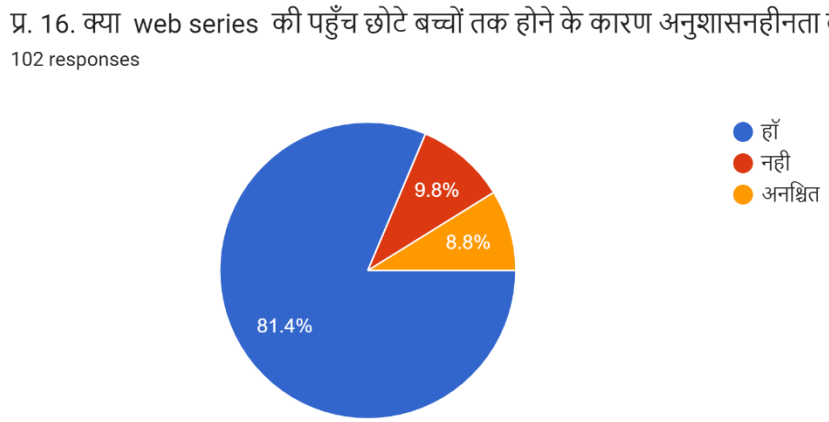

कथन-17 वेब सीरीज देखने से हमारी सोच एवं भावनाओं को नई दिशा मिलती हैं। इस कथन से 52.9% प्रतिभागी सहमत है जबकि 26.5% प्रतिभागी असहमत है एवं 20.6% प्रतिभागी अनिश्चित हैं।

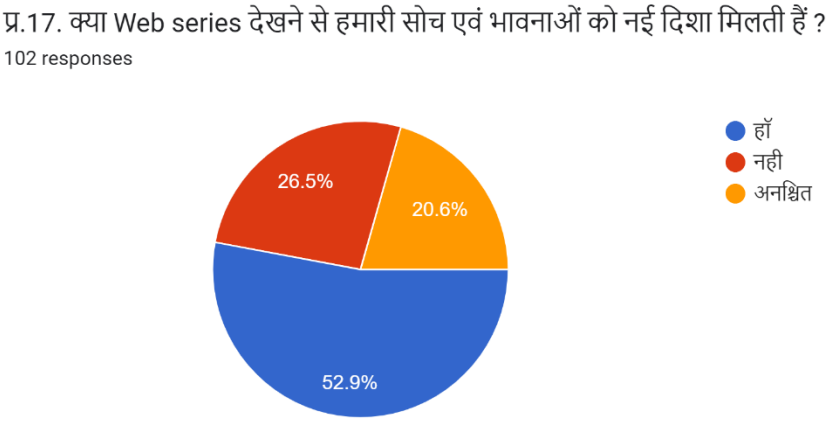

कथन-18 वेब सीरीज एवं OTT प्लेटफॉर्म को भी सेंसर के दायरे में लाया जाना चाहिए। कथन से 81.4% प्रतिभागी सहमत हैं जबकि 9.8% प्रतिभागी असहमत है एवं 8.8% प्रतिभागी अनिश्चितता की स्थिति में हैं।

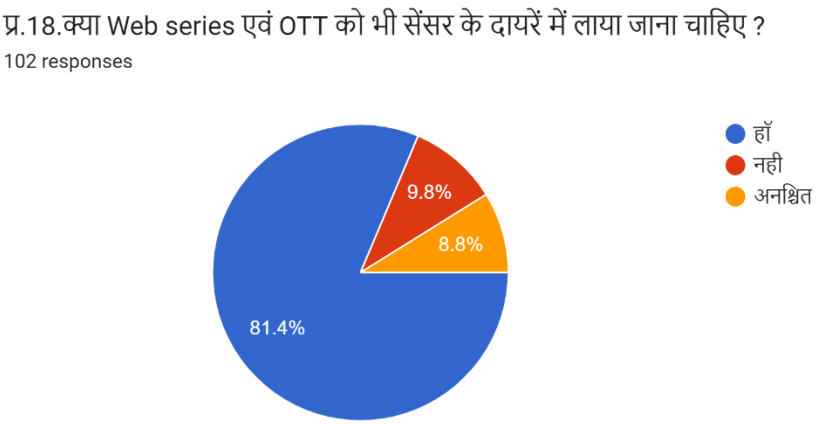

कथन-19 कथन वेब सीरीज से समय का सदुपयोग घट रहा हैं। 81.4% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज के कारण समय का सदुपयोग घट रहा है, जबकि 11.8% प्रतिभागियों ऐसा नहीं मानते है एवं 6.8% प्रतिभागियों अनिश्चित की स्थिति में हैं।

प्र.19. क्या web series से समय का सदपयोग घट रहा हैं।
102 responses

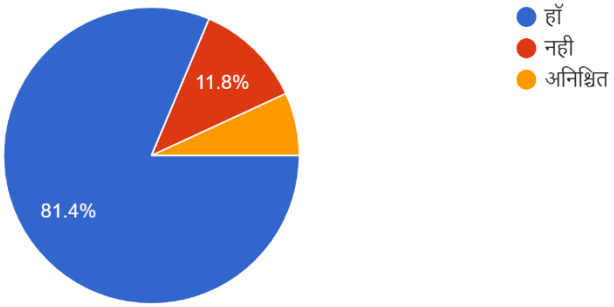

कथन-20 टेलीविजन, फिल्में तथा वेब सीरीज में कौन ज्यादा वास्तविकता के निकट है? उपरोक्त कथन 62.7% प्रतिभागियों ने वेब सीरीज को ज्यादा वास्तविक माना हैं जबकि 20.6% प्रतिभागियों ने टेलीविजन के serials को ज्यादा वास्तविकता माना हैं एवं 16.7% प्रतिभागी फिल्मों को ज्यादा वास्तविक मानते हैं।

प्र. 20. इनमें से कौन वास्तविकता के ज्यादा निकट हैं?
102 responses

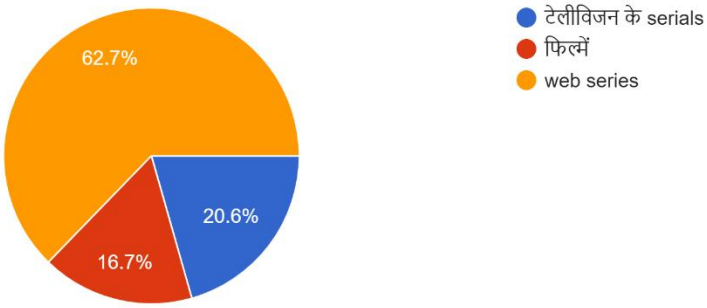

परिणाम-

- ❖ अध्ययन में पाया गया कि YOUTUBE उत्तरदाओं के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय ऑनलाइन वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म हैं, इसके बाद क्रमशः Netflix, Hotstar, Amazon Prime व अन्य प्लेटफॉर्म हैं।
- ❖ 52% लोगों ने माना है कि वेब सीरीज देखने का प्रभाव उनके कार्यों एवं परीक्षाओं पर पड़ता हैं।
- ❖ 58.6% उत्तरदाता सहमत है कि उन पर वेब सीरीज का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता हैं जबकि 16.7% लोग अनिश्चितता की स्थिति में हैं।
- ❖ 68.6% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता हैं।
- ❖ 62.7% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज के कारण Abusing Language का प्रचलन आम बोल-चाल में बढ़ रहा है, जबकि 15.7% व्यक्ति मानते हैं कि वेब सीरीज के कारण अन्य भाषा भी सीखने की प्रेरणा मिली हैं।
- ❖ 61% प्रतिभागियों मानते है कि मादक पदार्थों (धूम्रपान व ऐल्कहॉल) का प्रयोग वेब सीरीज के कारण बढ़ रहा हैं।
- ❖ 51% लोग मानते है कि वेब सीरीज देखने से mood तरो-ताजा हो जाता हैं।

- 46% प्रतिभागियों मानते हैं कि वेब सीरीज के कारण युवाओं का व्यवहार विघटित हो रहा हैं।
- 80% उत्तरदाता मानते है कि वेब सीरीज की पहुँच छोटे बच्चों तक भी हैं।
- जबकि 81% प्रतिभागियों बच्चों की अनुशासनहीनता का कारण वेब सीरीज को ही मानते हैं।
- 81.4% उत्तरदाता मानते है कि OTT एवं वेब सीरीज को भी सेंसर के दायरे में लाया जाना चाहिए।
- 81.4% लोग मानते है कि वेब सीरीज के कारण समय का सदुपयोग घट रहा हैं।
- 63% प्रतिभागियों मानते है कि वेब सीरीज वास्तविकता के अधिकतम निकट हैं।

निष्कर्ष –

- परिणामों से स्पष्ट है कि युवाओं को वेब सीरीज ने व्यापक रूप से प्रभावित किया हैं।
- मनोरंजन के सशक्त साधन के रूप में वेब सीरीज ने अति शीघ्रता से अपना स्थान बनाया हैं, और मनोरंजन के लिए समय की बाध्यता से मुक्ति दिलाई हैं।
- वेब सीरीज ने जहां मनोरंजन प्रदान किया है वहीं अन्य भाषाओं की वेब सीरीज देखने के लिए या देखे जाने के दौरान अन्य भाषा को भी सीखने के लिए प्रेरित किया हैं।
- वेब सीरीज जीवन की वास्तविकता पर आधारित होती हैं।
- कलाकारों को अपनी कला के प्रदर्शन (निर्देशन, संवाद, लेखन, साज-सज्जा आदि) के लिए ग्लोबल मंच व रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।
- अधिकांश प्रतिभागियों ने माना कि वेब सीरीज का मनोवैज्ञानिक प्रभाव आज की युवा पीढ़ी पर पड़ रहा हैं।
- वेब सीरीज के कारण मादक पदार्थों के सेवन बढ़ रहा हैं एवं आम बोल-चाल की बोली में भी अपमानजनक भाषा एवं शब्दों का प्रयोग होने लगा हैं।
- युवाओं का व्यवहार विघटित हो रहा हैं एवं छोटे बच्चों तक भी इस प्रकार की अमर्यादित भाषा, मादक पदार्थों का प्रदर्शन व अश्लील दृश्यों तक पहुँच वेब सीरीज के कारण आसानी से पहुंच रहे हैं।

सुझाव-

- वेब सीरीज ने नये कलाकारों को अच्छा प्लेटफॉर्म दिया हैं जहां रोजगार के अवसर बढ़े हैं और इसका निर्माण भी वास्तविकता के अत्यधिक निकट हैं।
- वेब सीरीज को और प्रासंगिक मुद्दों पर कार्यक्रम बनाने चाहिए एवं सेसर के अंतर्गत लाया जाना चाहिए।
- वेब सीरीज देखने के लिए रात्रि जागरण के कारण तनाव, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, शारीरिक घड़ी (BODY CLOCK) में गड़बड़ी उत्पन्न हो रही हैं जिसके कारण हमारे शरीर का तापमान, जागने-सोने का समय, हार्मोन आदि शारीरिक क्रियायें प्रभावित होती हैं, इसलिए वेब सीरीज को भी समय-सारणी के दायरे में लाया जाना चाहिए।
- बच्चों को वेब सीरीज को दूर रखे । वेब सीरीज को देखने के लिए KIDS STRONG जैसे STRONG फीचर OTT प्लेटफार्म में ADD किए जाने चाहिए।
- अश्लील दृश्यों , हिंसक चित्रण, मादक पदार्थों के सेवन युवाओं के व्यवहार को विघटित कर रहे हैं एवं आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दे रहे हैं इसलिए वेब सीरीज को भी सेंसरशिप के अन्तर्गत लाया जाना चाहिए।

- पंचायत, कोटा फैक्ट्री, गुल्लक, द फैमिली मैन द लीजेंड ऑफ हनुमान, द फॉरगॉटन आर्मी आदि वेब सीरीज बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- द्विवेदी, शशांक.(2018,नवम्बर) जिन्दगी को ऑफलाइन बनाने की मुहिम : इण्टरनेट की गिरफ्त में युवा. *विज्ञान प्रगति,* 8-12.
- Kumar, S., & Mohapatra, A. K. (2020). An analytical study of content and language of Indian web series. *J Xi'an Uni Architect Technol*, *12*(5), 919-930.
- Dhiman, Bharat & Malik, Pawan Singh (2021). Psychosocial impact of web series and streaming content: A study on Indian youth. *Global Media Journal*, 19(46), 1-7.
- Rout, D., Mishra, S. J., Kantha, R. K., & Majhi, B. (2021). Impact of web series in OTT platform on youth in Bhubaneswar City. *International Journal for Research Trends and Innovation*, 6(11) 8-13.

- www.eric.com
- www.googlescholar.com
- www.shodhganga.com